

# Es ist schon lange, lange her

Text: Margret Birkenfeld

E♭ moll a = #2  
F# dur

4 | 6 1 1 3 3 2 2 |  
 6 1 1 3 3 2 |  
 1. Es ist schon lan - ge, lan -  
*Solo Männerst.* 2.Da war ein al - ter,  
*Solo Frauenst.\** 3.Und Han - na, ei - ne al  
 4.So wol - len wir - in di  
 0 0,, 0,, |  
 0 0,, |

1 1 7 7 6, 0 | 3 3 |  
 1 1 7 7 6, | 3 3 |  
 Lan - de Is - ra - el,  
 Na - men Si - me - on  
 stets im Tem - pel v  
 stil - le, stil - le  
 0,, | 1 3 6 5 |  
 0,, | 1 3 6 5 |

2 2 6. | 1 7 7 6., 0 |  
 2 2 6. | 6., 0 |  
 Leu - te s | Im - ma - nu - el.  
 ihm er - | den Got - tes - sohn.  
 freu - te | sie das Kind bei - sah.  
 Her - zen | kehrt er uns ein.  
 5 / | 3 3 3 3 | 6., 0 |  
 5 | 3 3 3 3 | 6., 0 |

F | (Fine)  
 4 3 2. 3 4 5 3 1 2 2 1 |  
 1 1 5, 5 2 2 1 6 6 5 5 |  
 auch zu mir, Hei - land ich öff - ne dir die Tür.  
 5. 5 5 5 4 3 1 7, 1 7 6 5 4 4 3 |  
 1 3 2 1 7, 1 7 6 6 2 5 1 |

## Strophe 3: Chorbegleitung zum Frauensolo

0 0,, 0,, 0,, 0,, 0 5 4 6 |  
 0 0,, 0,, 0,, 0,, 0 5 4 4 |  
 3.die lob - te |  
 0 0,, 0,, 0,, 0,, 0 5 4 2 |

6, 1, 2 3 4, 0 3 3 3 6.. 5 4 : |  
 3, 6, 6 6 6, 0 6 6 6 #5 6 7 1 2 : |  
 Gott und freu - te sich, als sie es sah. Oh, — → |  
 1 2 3, 2 2 2, 0 3 2 2 1 2 3 5 : |  
 Gott und 0 6 5, 4 4 7, 0 3 3 3 6, 6 7 : |  
 zum Refrain